धुरियापार में बड़े उद्योगों को मिलेगा भूखंड, निवेश को मिलेगी रफ्तार

गीडा प्रशासन की ओर से भूखंड आवंटन के लिए इसी माह मांगा जाएगा आवेदन, वीडियोकान, रिलायंस आदि कंपनियां गोरखपुर में लगा रही हैं फैक्ट्री

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गीडा प्रशासन धुरियापार इंडस्ट्रियल कारिडोर को औद्योगिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसी क्रम में इस माह वीडियोकान और रिलायंस जैसी बड़ी औद्योगिक इकाइयों को धुरियापार में भूखंड आवंटित किए जाने की तैयारी है। इससे क्षेत्र में बड़े निवेश का रास्ता साफ होगा और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

प्रस्ताव के अनुसार वीडियोकान को लगभग 50 एकड़ जबकि रिलायंस को करीब 100 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। इसके साथ ही केयान ग्रुप को भी धुरियापार इंडस्ट्रियल कारिडोर में भूखंड आवंटन की संभावना जताई जा रही है। गीडा प्रशासन इन प्रस्तावों को लेकर सक्रियता से कार्य कर रहा है, ताकि निर्धारित समय में आवंटन प्रक्रिया पूरी की जा सके। गीडा प्रशासन धुरियापार क्षेत्र में अब तक लगभग 600 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर चुका है। इस भूमि को चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जा रहा है, ताकि उद्योगों को सभी मूलभूत सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा सकें। सड़क, जल निकासी, जलापूर्ति और अन्य आधारभूत ढांचे के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से धुरियापार में करीब 60 करोड़ रुपये की लागत से बिजली संबंधी कार्य कराए जा रहे हैं। इसके तहत उपकेंद्रों की स्थापना, लाइन बिछाने और क्षमता विस्तार जैसे कार्य शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि बिजली की पर्याप्त उपलब्धता से उद्योगों को संचालन में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।

उद्योगों के आगमन से न केवल गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर भी प्राप्त होंगे। विशेषज्ञों के अनुसार धुरियापार में बड़े औद्योगिक समूहों के आने से पूर्वांचल के औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी और यह क्षेत्र एक महत्वपूर्ण औद्योगिक हब के रूप में उभर सकता है। चेंबर आफ इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष एसके जायसवाल का कहना है कि अब गोरखपुर में बड़े उद्योगों के अलावा सहायक उद्योगों की बहुत ज्यादा जरूरत है। हाल में जिन कंपनियों के द्वारा गीडा में उद्योग स्थापित करने की योजना तैयार की गई है, उनसे सहायक उद्योगों की भी पृष्ठभूमि तैयार हो रही है।

GIDA
GORAKHPUR INDUSTRIAL DEVELOPMENT AUTHORITY

धुरियापार इंडस्ट्रियल कारिडोर को निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। जल्द ही भूखंड आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और पात्र कंपनियों को नियमानुसार भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। गीडा का प्रयास है कि उद्योगों को एक अनुकूल और सुरक्षित वातावरण मिले, जिससे वे लंबे समय तक यहां निवेश कर सकें।

अनुज मलिक, सीईओ, गीडा।

वाराणसी रोड पर बनेंगे कमर्शियल कांप्लेक्स और वेंडिंग जोन

- परियोजना में मुख्य अभियंता के नेतृत्व में भूमि हुई चिह्नित
- राजस्व विभाग की रिपोर्ट के आधार पर तैयार होगी डीपीआर

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : नगर निगम अपनी आय के स्रोत बढ़ाने के क्रम में विभिन्न परियोजनाएं तैयार कर रहा है। इसी क्रम में नगर निगम की ओर से वाराणसी रोड पर दो आधुनिक कमर्शियल काम्प्लेक्स और एक वेंडिंग जोन विकसित करने की योजना तैयार की गई है।

इसके लिए प्रारंभिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नगर निगम के मुख्य अभियंता के नेतृत्व में अभियंताओं और संबंधित अधिकारियों की टीम ने वाराणसी रोड के किनारे निगम की उपलब्ध भूमि का स्थलीय निरीक्षण कर उसे चिह्नित किया है।

नगर निगम प्रशासन के अनुसार, यह योजना उन दुकानदारों के लिए विशेष रूप से राहत प्रदान करेगी, जो सड़क चौड़ीकरण, यातायात सुधार या अन्य विकास कार्यों के चलते विस्थापित हो रहे हैं। प्रस्तावित कमर्शियल काम्प्लेक्स में ऐसे दुकानदारों को प्राथमिकता के आधार पर दुकानें उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि उनका रोजगार प्रभावित न हो और उन्हें बेहतर व्यापारिक वातावरण मिल सके।

इस परियोजना के पूरा होने से नगर निगम की आय में भी वृद्धि होगी। साथ ही विस्थापित हो रहे दुकानदारों को स्थान मुहैया हो सकेगा। डीपीआर तैयार होने और स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा।

अमित कुमार शर्मा, मुख्य अभियंता, नगर निगम।

निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि वाराणसी रोड के किनारे कई स्थानों पर नगर निगम की भूमि उपलब्ध है, जिसका अभी तक व्यवस्थित उपयोग नहीं हो पा रहा था। अब इन भूखंडों का उपयोग सुनियोजित ढंग से करने की योजना बनाई जा रही है। निगम ने राजस्व विभाग को निर्देश दिया है कि चिह्नित की गई भूमि से संबंधित सभी अभिलेख, नक्शे और स्वामित्व से जुड़े दस्तावेज शीघ्र प्रस्तुत किए जाएं। अभिलेखों के सत्यापन के बाद अगला कदम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का होगा।

डीपीआर में कमर्शियल काम्प्लेक्स के डिजाइन, दुकानों की संख्या, पार्किंग व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा, बिजली-पानी की सुविधा और सौंदर्यीकरण जैसे पहलुओं को शामिल किया जाएगा। वहीं, वेंडिंग जोन को इस तरह विकसित किया जाएगा कि ठेला-पटरी व्यवसायियों को एक निश्चित और सुरक्षित स्थान मिल सके, जिससे सड़क पर अव्यवस्था न हो और आम लोगों को भी आवाजाही में सुविधा मिले।